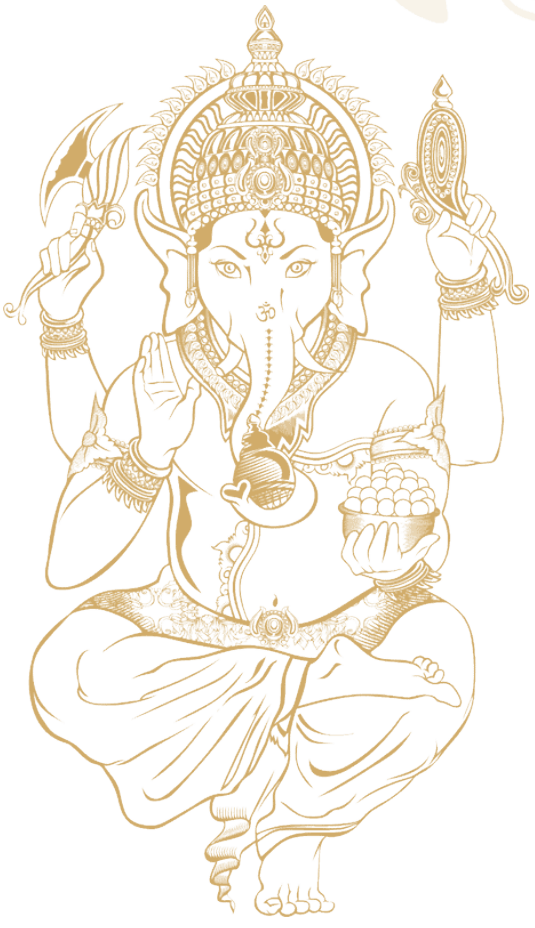

Mr.Navdeep

Ms.Divya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121098301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121098301 Date: 29/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/10/1995	जन्म तिथि	26/01/1996
सोमवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:55:00	जन्म समय	10:50:00 घंटे
घटी 26:17:41	जन्म समय(घटी)	09:12:14 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Mandsaur
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	24:03:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:29:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:55	सूर्योदय	07:13:10
18:00:36	सूर्यास्त	18:10:31
23:48:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:15

मीन	लग्न	मीन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
मिथुन	राशि	मीन
बुध	राशि-स्वामी	गुरु
पुनर्वसु	नक्षत्र	रेवती
गुरु	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
शिव	योग	सिद्ध
बालव	करण	गर
को-कोमल	जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
मार्जार	योनि	गज
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 8वर्ष 1मा 27दि		08:20:09	मीन	लग्न	मीन	19:36:03	बुध 3वर्ष 7मा 20दि	
बुध		28:49:25	कन्या	सूर्य	मक	11:43:39	शुक्र	
13/12/2022		26:32:07	मिथु	चंद्र	मीन	27:08:42	16/09/2006	
13/12/2039		03:03:53	वृश्चि	मंगल	मक	20:10:17	16/09/2026	
बुध	10/05/2025	11:43:43	कन्या	बुध व	धनु	26:32:55	शुक्र	16/01/2010
केतु	07/05/2026	19:15:05	वृश्चि	गुरु	धनु	11:14:37	सूर्य	16/01/2011
शुक्र	07/03/2029	13:51:15	तुला	शुक्र	कुंभ	19:35:11	चन्द्र	16/09/2012
सूर्य	12/01/2030	25:17:55	कुंभ व	शनि	कुंभ	27:42:24	मंगल	16/11/2013
चन्द्र	13/06/2031	02:43:40	तुला	राहु	कन्या	26:31:31	राहु	16/11/2016
मंगल	09/06/2032	02:43:40	मेष	केतु	मीन	26:31:31	गुरु	18/07/2019
राहु	28/12/2034	02:46:04	मक	हर्ष	मक	07:00:51	शनि	16/09/2022
गुरु	04/04/2037	29:00:35	धनु	नेप	मक	01:49:32	बुध	17/07/2025
शनि	13/12/2039	05:16:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:51:21	केतु	16/09/2026

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:00 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:15

लग्न-चलित

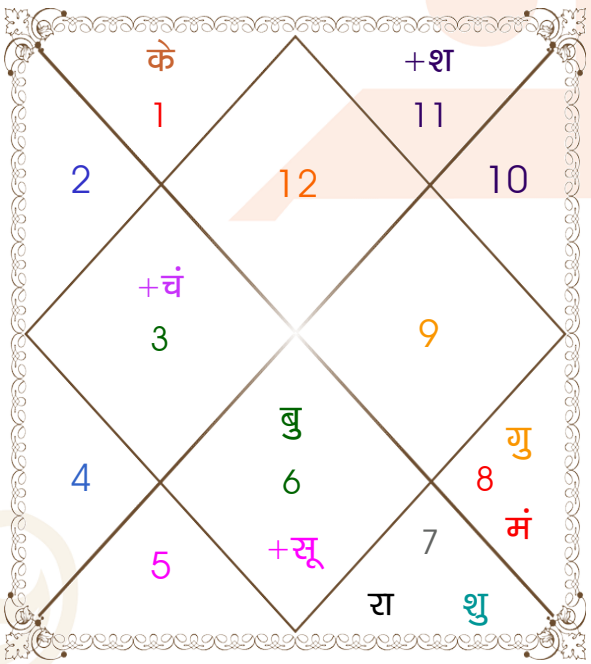

लग्न-चलित

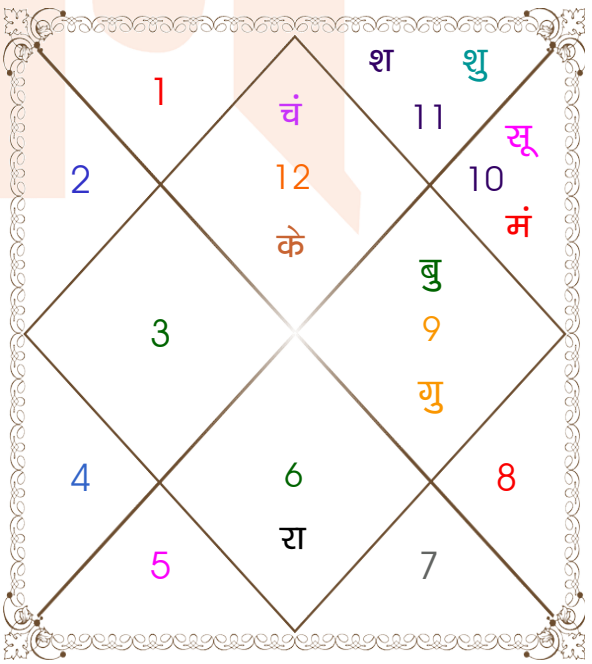

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : **27 / 36**

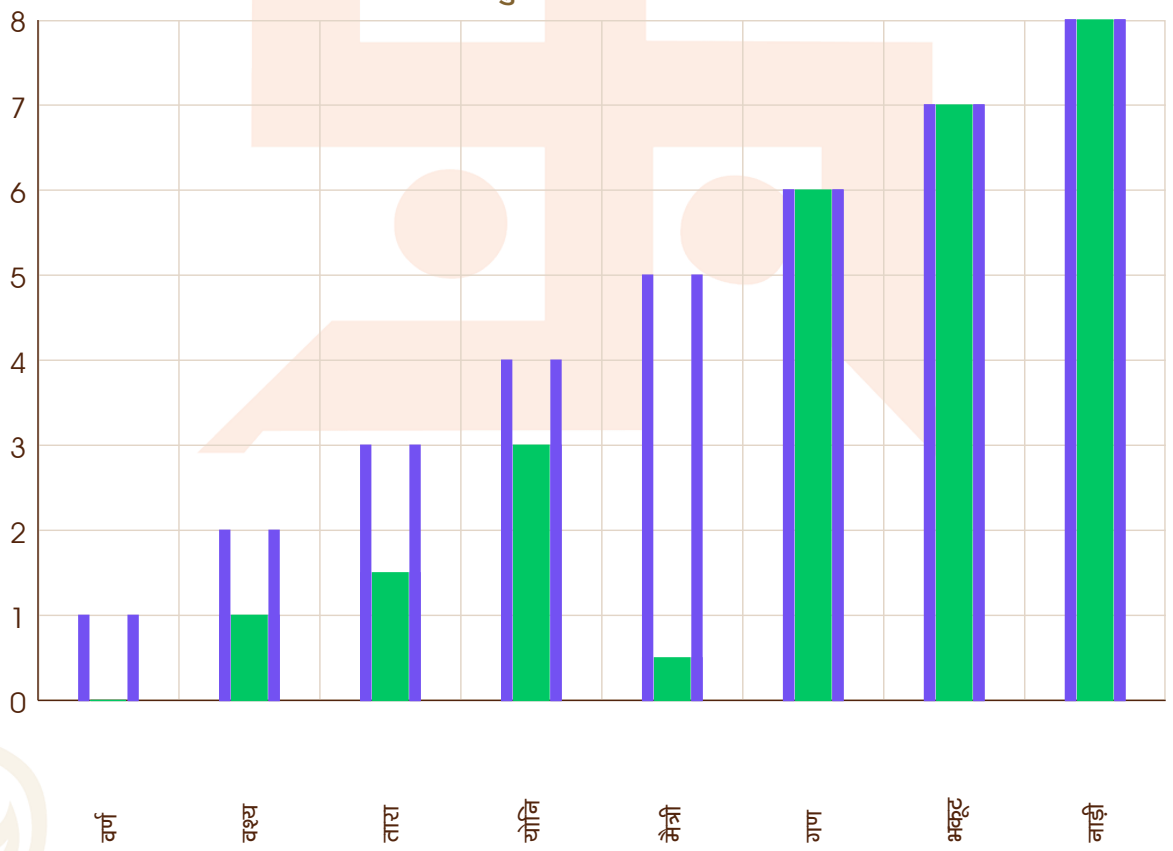

अष्टकूट मिलान

Mr.Navdeep का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Divya का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Navdeep और Ms.Divya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Navdeep मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms.Divya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr.Navdeep तथा Ms.Divya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Navdeep का वर्ण शूद्र है तथा Ms.Divya का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.Divya का वर्ण Mr.Navdeep के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms.Divya हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Mr.Navdeep के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Mr.Navdeep का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.Divya का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Mr.Navdeep एवं Ms.Divya दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Mr.Navdeep Ms.Divya पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Mr.Navdeep हमेश Ms.Divya के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Mr.Navdeep की तारा मित्र तथा Ms.Divya की तारा विपत है। Ms.Divya की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Mr.Navdeep एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.Divya का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Mr.Navdeep की योनि मार्जार है तथा Ms.Divya की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी

जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Navdeep का राशि स्वामी Ms.Divya के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.Divya का राशि स्वामी Mr.Navdeep के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.Navdeep का गण देव तथा Ms.Divya का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.Navdeep से Ms.Divya की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Ms.Divya से Mr.Navdeep की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.Navdeep एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Ms.Divya को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Ms.Divya हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Mr.Navdeep की नाड़ी आद्य है तथा Ms.Divya की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन

होता है। Mr.Navdeep की आद्य नाड़ी तथा Ms.Divya की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Navdeep की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन है तथा Ms.Divya की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन है नैसर्गिक रूप से वायु एवं जल के मध्य असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.Navdeep और Ms.Divya के मध्य स्वभावगत विषमताओं के कारण सम्बंधो में अल्प मधुरता रहेगी तथा दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता रहेगी। अतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Mr.Navdeep की राशि का स्वामी बुध तथा Ms.Divya की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते है। अतः यह ग्रह स्थिति भी विशेष शुभ एवं अनुकूल नहीं रहेगी। ऐसी स्थिति में Mr.Navdeep और Ms.Divya परस्पर एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर विशेष ध्यान देगे तथा परस्पर वाद विवाद एवं अशान्ति का वातावरण बनाएगें। इससे पारिवारिक सुख की अनुभूति में व्यवधान रहेगा। अतः बुद्धिमता से कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

Mr.Navdeep और Ms.Divya की राशियाँ परस्पर दशम तथा चतुर्थ भाव में पड़ती है। यह शुभ भकुट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr.Navdeep और Ms.Divya में दूरदर्शिता का भाव रहेगा। वे एक दूसरे को स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता आएगी। साथ ही पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्तिमय रहेगा तथा परस्पर सामंजस्य रहेगा।

Mr.Navdeep का वश्य मानव तथा Ms.Divya का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.Navdeep और Ms.Divya के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानताएं रहेंगी जिससे उनके सम्बंधो में मधुरता का अल्पभाव रहेगा। वे एक दूसरे की कामभावनाओं में को सन्तुष्ट करने में भी असमर्थ रहेंगे।

Mr.Navdeep का वर्ण शूद्र तथा Ms.Divya का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताओं में भिन्नता रहेगी। Mr.Navdeep की प्रवृति किसी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से करने की होगी लेकिन Ms.Divya शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो को ही सम्पन्न करेगी।

धन

Mr.Navdeep और Ms.Divya दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.Navdeep की नाड़ी आद्य तथा Ms.Divya की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Navdeep और Ms.Divya का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Navdeep और Ms.Divya के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Divya के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Divya को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Divya को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Navdeep और Ms.Divya सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Navdeep और Ms.Divya का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Divya के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.Divya के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.Divya अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.Divya के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.Navdeep के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में Mr.Navdeep के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण Mr.Navdeep के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा Mr.Navdeep भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।